HISTORY

B.A.(Hon's)PART-I

Paper-I (Ancient Indian History)

Unit-I (प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत)

Dr. GUDDY KUMARI

(Guest Lecturer), History Deptt.

A.N.D. College, Samastipur

Lecture Series - 11

(इस PDF का Audio or videos देखने के लिए नीचे लिखे लिंक को follow करें □□□

https://youtu.be/xaGC9xpInQI

✓✓प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत (भाग- 3)

✓वैदिक स्रोत (सूत्र साहित्य और स्मृति ग्रंथ.)

प्राचीन भारतीय इतिहास के वैदिक स्रोत के अन्तर्गत सूत्रसाहित्य और स्मृतिग्रंथों से भी प्राचीन भारतीय इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

@ सूत्र साहित्य.....

सूत्र साहित्य को चार भागों में बाटा गया है|

(१). स्रौत सूत्र (२). गृह्यसूत्र (३). धर्मसूत्र (४). शुल्वसूत्र।

* श्रौत सूत्र (वेदों के)....

@ ऋग्वेद – ऋग्वेद के दो श्रौत सूत्र हैं।

(१). शांखायन (२). अश्वलायन।

DR.GUDDY KUMARI(A.N.D COLLEGE)

* यजुर्वेद – यजुर्वेद के श्रोत सूत्र....

* शुक्ल यजुर्वेद – कात्यायन।

* कृष्ण यजुर्वेद – आपस्तंब, हिरण्यकेशी, बौद्धयान,

भारद्वाज, मानव, बैखानस।

@ सामवेद के श्रोत सूत्र....

लाट्यायन, द्राह्यान और आर्षेय।

@ अथर्ववेद का स्रोत सूत्र – वैतान सूत्र।

@ गृह्यसूत्र (वेदों का)....

(१). ऋग्वेद – शाखायन, अश्वलायन।

(२). यजुर्वेद....

*शुक्ल यजुर्वेद – पारस्कर।

* कृष्ण यजुर्वेद – आपस्तंब, हिरण्यकेशी, बोधायन, मानव, कठक, बैखानस।

@ सामवेद का गृह्यसूत्र ...

गोभिल तथा खदिर।

@ अथर्ववेद के गृह्य सूत्र..

कौशिक

@ धर्मसूत्र – वेदों से संबंधित केवल तीन ही धर्मसूत्र उपलब्ध हैं।

आपस्तंब, हिरण्यकेशी, बौधायन ।

" ब्राह्मण, उपनिषद और सूत्र ग्रंथों को मिलाकर हम उत्तर वैदिक वांग्मय कहते हैं।"

@ वैदिक ग्रंथों के उपवेद.....

DR.GUDDY KUMARI(A.N.D COLLEGE)

* ऋग्वेद के उपवेद – आयुर्वेद।

* यजुर्वेद के उपवेद – धनुर्वेद।

* सामवेद के उपवेद – गंधर्ववेद।

* अथर्ववेद के उपवेद – शिल्प वेद

@ स्मृतियां....

* स्मृतियों को धर्मशास्त्र भी कहा जाता है|

* मनुष्य के पूरे जीवन से संबंधित अनेक क्रियाकलापों के बारे में असम के विभिन्न पदों की जानकारी इन स्मृतियों से मिलती है|

* मनुस्मृति और याज्ञवल्क्य स्मृति सबसे प्राचीन है|

(अवधि लगभग 200 की ई.पू. से 100 ई. के मध्य)

@ उस समय के अन्य स्मृतिकार – नारद, पराशर, बृहस्पति, कात्यायन, गौतम, संवर्त, हारित, अंजिरा आदि। (इनका समय संभवत: 100 से 600 ई.तक था)।

* मनुस्मृति से उस समय के भारत के राजनीतिक,

सामाजिक एवं धार्मिक जानकारी मिलती हैं|

* नारद स्मृति से गुप्त वंश के संबंध में जानकारी मिलती है|

* मनुस्मृति पर भाष्य लिखने वाले टीकाकार –मेधातिथि, भारूचि, कुल्लूक भट्ट, गोविंद राय आदि।

* याज्ञवल्क्य स्मृति पर भाष्य लिखने वाले टीकाकार –

विश्वरूप, अपरार्क, विज्ञानेश्वर आदि।

आगे भी यह जारी है.....

DR.GUDDY KUMAR(A.N.D COLLEGE)

!!!!!!!!!!धन्यवाद!!!!!!!!!!!

DR.GUDDY KUMARI(A.N.D COLLEGE)